काव्य, काव्य के तत्व एवं काव्य के रूप

विजय लक्ष्मी कुमावत | व्याख्याता, हिंदी साहित्य | स्वामी विवेकानंद महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ | सेमेस्टर 3

Made with GAMMA

काव्य क्या है?

काव्य साहित्य की सर्वोत्तम व्यंजना है, जो शब्दों के माध्यम से भावों, भावनाओं और आदर्शों को कलात्मक रूप से प्रस्तुत करता है। यह केवल शब्दों का संगठन नहीं है, बल्कि मानवीय अनुभूतियों का सुंदर चित्रण है।

काव्य का उद्देश्य श्रोता या पाठक को आनंद प्रदान करना, उसे चिंतन के लिए प्रेरित करना और उच्च आदर्शों से परिचित कराना होता है।

Made with GAMMA

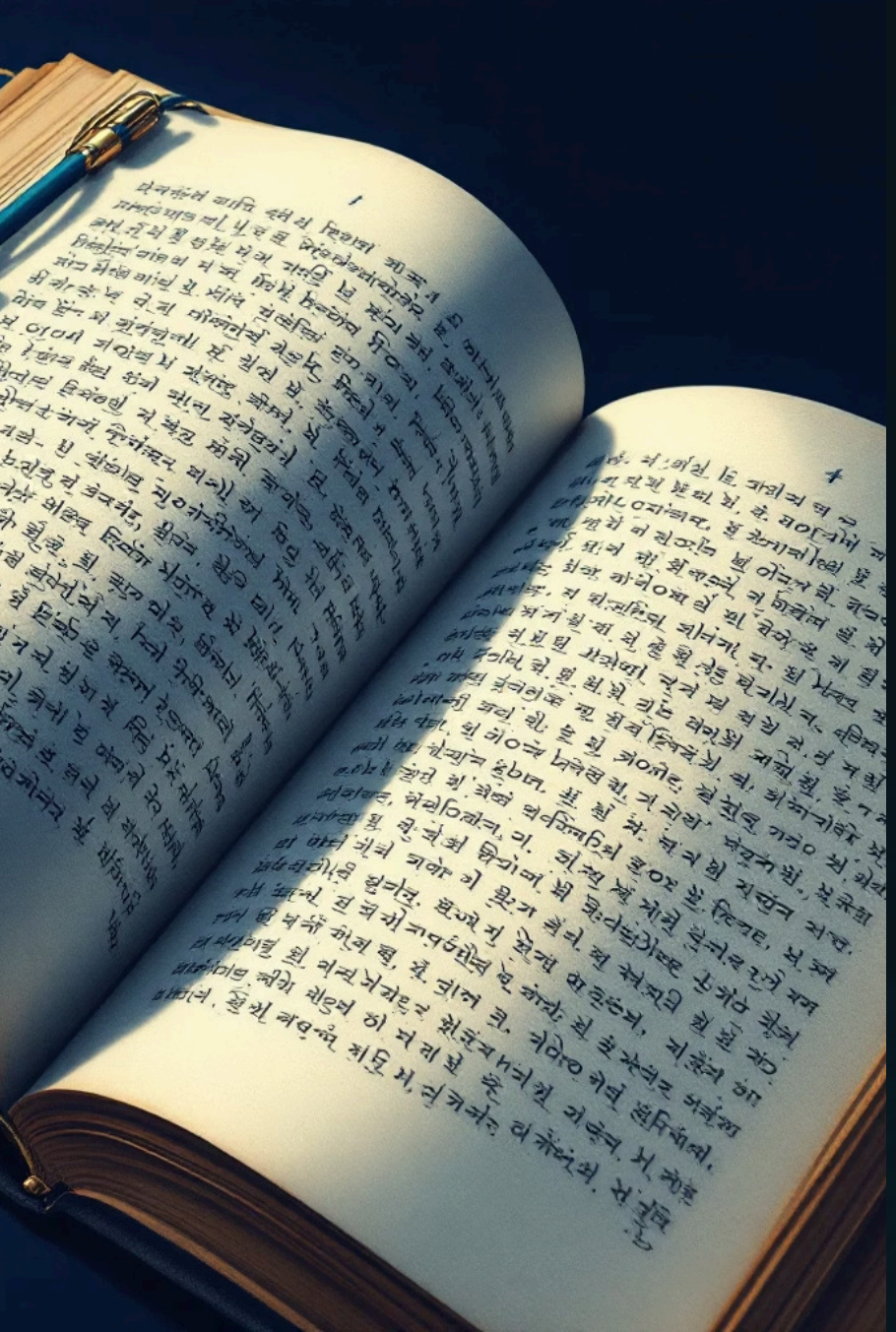

काव्य की परिभाषाएं

मम्मट के अनुसार

काव्य वह शब्द-संगठन है जिसमें गुण और रीति हो। उन्होंने काव्य को 'शब्दार्थौ छानंदायकौ काव्यम्' कहा है, जिसका अर्थ है - शब्द और अर्थ से आनंद प्रदान करने वाली रचना।

विश्वनाथ के अनुसार

विश्वनाथ के अनुसार, काव्य वह रचना है जिसमें शब्द, अर्थ और रस का समन्वय हो। उन्होंने काव्य की परिभाषा देते हुए रस को काव्य की आत्मा माना है।

Made with GAMMA

काव्य के प्रमुख तत्व

काव्य की संरचना चार प्रमुख तत्वों पर आधारित होती है, जो सामंजस्य से कार्य करते हैं:

रस

काव्य की आत्मा और मूल सार

भाव

रस की उत्पत्ति का स्रोत

छंद भाषा

संगीतात्मकता की धारा

अलंकार

शोभा और माधुर्य के लिए

Made with GAMMA

रस: काव्य की आत्मा

रस को काव्य की आत्मा कहा गया है। यह वह अनुभूति है जो काव्य पढ़ने या सुनने पर पाठक या श्रोता को प्राप्त होती है। रस के बिना काव्य जीवनहीन हो जाता है।

नाट्यशास्त्र में आठ प्रकार के रस माने गए हैं: शृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स और अद्भुत।

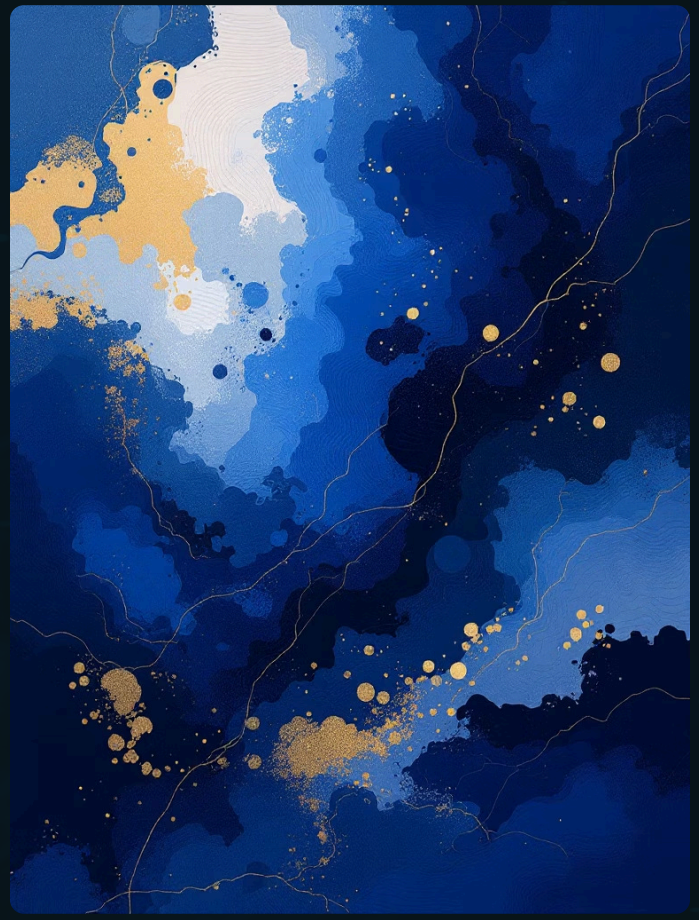

Made with GAMMA

भाव: रस की उत्पत्ति

स्थायी भाव

नवरसों के आधार

विभाव

रस को जगाने वाले

अनुभाव

भावों की अभिव्यक्ति

संचारी भाव

रस की संपन्नता

भाव रस के उत्पत्ति का स्रोत होते हैं। विभाव, अनुभाव और संचारी भाव संयुक्त रूप से रस की उत्पत्ति करते हैं।

Made with GAMMA

अलंकार: काव्य की शोभा

शब्दालंकार

- अनुप्रास – वर्णों की रुचिकर पुनरावृत्ति
- यमक – समान उच्चारण वाले शब्द
- श्लेष – द्व्यर्थी शब्दों का प्रयोग

अर्थालंकार

- उपमा – सादृश्य का वर्णन
- रूपक – रूपांतरित उपमा
- उत्प्रेक्षा – कल्पना का विस्तार

अलंकार काव्य की शोभा और माधुर्य बढ़ाते हैं। ये शब्दों या अर्थ की विशिष्ट व्यवस्था से काव्य को आकर्षक बनाते हैं।

Made with GAMMA

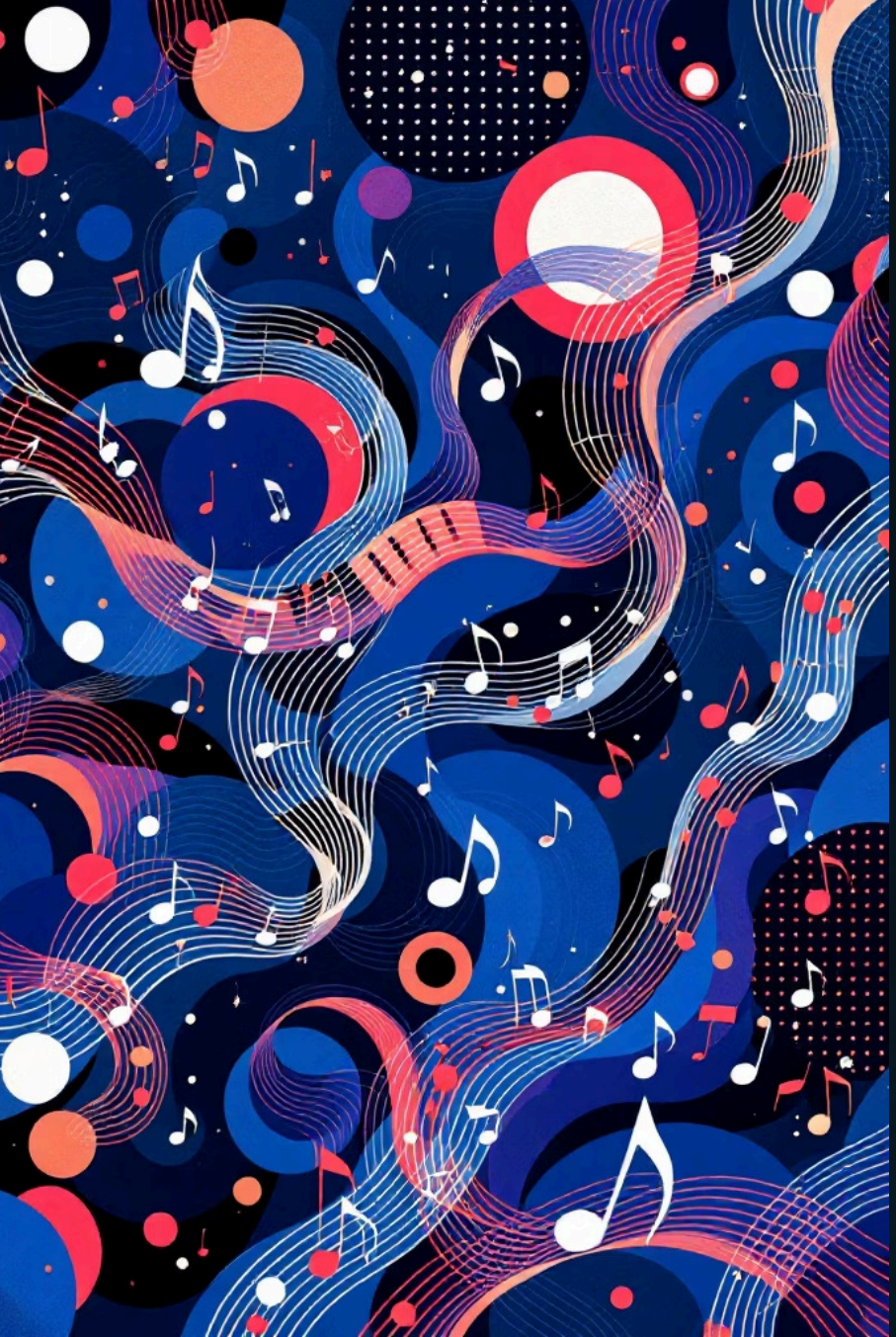

छंद और भाषा: काव्य की संरचना

छंद

काव्य का संगीतात्मक स्वरूप। मात्राओं, वर्णों और लय का सुसंगत संगठन जो पढ़ने में मधुरता लाता है। दोहा, सोरठा, चौपाई आदि छंदों के प्रमुख प्रकार हैं।

भाषा

काव्य की वाहिका और माध्यम। साहित्यिक भाषा, मानक हिंदी, ब्रजभाषा या अवधी में काव्य रचित होता है। भाषा की प्रवाहमयता और शुद्धता काव्य की गुणवत्ता निर्धारित करती है।

Made with GAMMA

काव्य के रूप: पद्य काव्य के प्रकार

महाकाव्य

विस्तृत कथा, शाश्वत विषय, गंभीर रीति

1

2

खंडकाव्य

महाकाव्य का एक भाग, स्वतंत्र कथा

3

मुक्तक काव्य

स्वतंत्र दोहा, सोरठा, चौपाई

प्रमुख प्रकार

- गीति काव्य – भावुक भावनाओं का गीतात्मक व्यंजन
- व्यंग्य काव्य – हास्य और व्यंग्य का समावेश
- दलित काव्य – सामाजिक अन्याय के विरुद्ध आवाज

Made with GAMMA

निष्कर्ष और मुख्य बिंदु

1 **काव्य की परिभाषा**

शब्द और अर्थ से आनंद प्रदान करने वाली कलात्मक रचना

2 **चार प्रमुख तत्व**

रस, भाव, अलंकार, छंद भाषा का सामंजस्य

3 **रस की महत्ता**

नव रसों के माध्यम से भावनात्मक अनुभूति

4 **विविध रूप**

महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक सहित विभिन्न प्रकार

> काव्य केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि मानवीय भावनाओं का कलात्मक प्रतिबिंब है।

Made with GAMMA